काफी समय तक अभी विवेचना होगी कांग्रेस की कर्नाटक की जीत की

पर, सबसे बड़ा संदेश है, चुनाव मूलतः स्थानीय मुद्दों पर लड़ा जाता है स्थानीय नेताओं के जोर पर

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- चुनाव में मोदी को ''एंकर'' बनाने की नीति सफल नहीं हुई इस बार।
- राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने भी चुनाव का माहौल साम्प्रदायिकता व घृणा से हटाकर भाई चारे की ओर मोड़ने में भारी मदद की।
- सभी एग्ज़िट पोल्स हमेशा झूठे नहीं होते कुछ ना कुछ सच्चाई जरूर होती है।

नई दिल्ली, 13 मई। दस मई को हुए कर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिल चुका है। दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक में आज घोषित हुआ यह चुनावी नतीजा देश के राजनैतिक इतिहास में महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता हैं, क्योंकि इससे स्पष्ट संदेश मिला है कि देश विभाजनकारी, सांप्रदायिक और नकारात्मक मुद्दाविहीन राजनीति से छुटकारा पाना चाहता है।

सत्तारूढ़ भाजपा को 40 से ज्यादा सीटों पर करारी हार का सामना करना पड़ा है। इसका अर्थ है कि आमजन में प्रधानमंत्री मोदी की छवि दरकना शुरु हो गई है। कर्नाटक की जनता पर गांधी परिवार की पकड़ कायम है और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रदेश प्रमुख डी.के. शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की संयुक्त अपील देश की सबसे पुरानी पार्टी के राजनैतिक भविष्य को बेहतर बना सकती है।

गत शनिवार को राज्य के भाजपा के आक्रामक चुनाव अभियान के तहत मोदी ने बैंगलूरु में 26 किलोमीटर लम्बा रोड शो किया था। प्रधानमंत्री ने राज्य में 19 आमसभाएं, 6 रोड शो किए और नारा दिया ''दिस टाइम्'स डिसीजनः मैजोरिटी भाजपा गवर्नमैंट''।

चुनाव को हिंदू बनाम मुस्लिम रुप देने के लिए मोदी ने कोई कसर नहीं छोड़ी। मोदी ने ही कांग्रेस चुनाव घोषणा पत्र में नफरत फैलाने वाले बजरंग दल पर कार्यवाही करने की घोषणा को भगवान हनुमान व उनके भक्तों पर प्रहार बताया। मोदी ने यहां तक कह दिया कि वोट देने से पहले जनता ''जय हनुमान'' बोलें। उसके बाद भाजपा ने इसे ही अपनी चुनावी थीम बना लिया।

चुनाव प्रचार अंत होने से एक दिन पहले मोदी को कांग्रेस के एक ट्वीट जिसमें कर्नाटक की ''संप्रभुता'' की बात की गई थी, में अलगाववाद महसूस हुआ, तो भाजपा ने इसे लेकर कांग्रेस पर हमला बोल दिया।

इसी बीच समूचा गांधी परिवार कर्नाटक में चुनाव प्रचार करने आया। सोनिया गांधी ने एक सभा को संबोधित किया। राहुल गांधी ने अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ गहन चुनाव प्रचार किया। जनसभाएं की, रोड शो किए जनता से खुला सम्पर्क किया।

कर्नाटक के चुनाव नतीजों की एक और विशेषता रही कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नेतृत्व उभरा है।

कर्नाटक में पार्टी को निर्णायक जीत दिलाकर पार्टी के भीतर और बाहर उनका कद बढ़ा है। उनके अपने गृह राज्य में पार्टी की जनस्वीकार्यता मिलना उनकी सत्ता और कद का स्पष्ट संदेश है।

उनके दलित होने से देश भर में उनकी अपील बढ़ेगी खासकर ऐसे समय में जबकि कांग्रेस अपना दलित वोट बैंक पुनः हासिल करने की कोशिश कर रही है।

इसी बीच प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को जीत के लिए बधाई दी और कामना की कि पार्टी जनता की इच्छाओं को पूरा करेगी।

मोदी ने ट्वीट कर कहा कि कर्नाटक चुनाव में जिन्होंने हमें समर्थन दिया मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूं। मै। भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की प्रशंसा करता हूं। हमें आने वाले समय में और जोश के साथ काम करना है।''

कांग्रेस के राहुल गांधी ने कर्नाटक की जनता को बधाई दी और दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर जश्न मना रहे पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, ''नफरत का बाज़ार बंद हो गया है। मोहब्बत की दुकान खुल गई है।''

प्रियंका गांधी ने कहा कि कर्नाटक के नतीजों से एक संदेश गया है कि लोग चाहते हैं कि राजनीति उनकी समस्याओं के इर्द-गिर्द घूमे। हमारा चुनाव प्रचार इसी पर आधारित था विकास और भ्रष्टाचार आदि।

यद्यपि कांग्रेस के अब सारा फोकस इस बात पर होगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। सिद्धारमैया और पी.सी.सी. प्रमुख डी.के. शिवकुमार में से किसी को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। कुमार को 2020 में पार्टी अध्यक्ष बनाया गया था और तीन साल से वे पार्टी के लिए लगातार काम कर रहे है।

आज शिवकुमार बेहद भावुक हो गए और गांधी परिवार से किए गए अपने वायदे को निभाने के बारे में बताया। उन्होंने कहा तीन साल पहले उन्होंने वादा किया था तब से वे चैन से सोए नहीं हैं।

चुनाव नतीजों को देखें कि जिन कारकों ने कांग्रेस को जिताया है उनमें भारत जोड़ो यात्रा, कांग्रेस के विभिन्न गुटों में एकता खासकर सिद्धारमैया व शिवकुमार के बीच, भाजपा के खिलाफ सरकार विरोधी लहर, भारी भ्रष्टाचार और कांग्रेस द्वारा दी गई 5 गारंटी प्रमुख हैं।

भारत जोड़ो यात्रा के प्रभाव को जयराम रमेश ने बताया कि जिन क्षेत्रों से यात्रा गुजरी वहां 20 में से 15 सीटें कांग्रेस जीती, वहीं भाजपा दो ही सीट जीत सकीं, जबकि भाजपा का यहां की 9 सीटों पर कब्जा था। जद (एस) जिसका इन क्षेत्रों की 6 सीटों पर कब्जा था, मात्र तीन सीटें ही जीत सकीं।

इसी बीच कर्नाटक में कांग्रेस की जीत 2024 के चुनाव में भाजपा विरोधी गठबंधन बनाने में निर्णायक साबित होगी। गैर कांग्रेसी दलों को एक मंच पर लाने के पवार व नीतीस के प्रयास और तेज हो जाएंगे।

शेट्टार को कांग्रेस में जाने का फैसला भारी पड़ा

नई दिल्ली, 13 मई। कर्नाटक चुनाव परिणाम कांग्रेस पार्टी के लिए ऑक्सीजन लेकर आये हैं। राज्य के मतदाताओं ने पार्टी को भर-भरकर वोट दिए हैं, जिससे पार्टी पूर्ण बहुमत से सरकार बनाती हुई दिख रही है। इन सबके बीच बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में चुनावों से चंद दिनों पहले शामिल हुए राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार को उनका फैसला भारी पड़ गया है।

- पूर्व मु.मंत्री शेट्टार को कर्नाटक की सबसे चर्चित हुबली सीट पर करारी हार का सामना करना पड़ा।

हुबली-धारवाड़ सेन्ट्रल सीट का परिणाम आ चुका है और इसमें जगदीश को बीजेपी के उम्मीदवार महेश टेंगीकनई से करारी शिकस्त मिली है। दिलचस्प बात ये है कि लिंगायत समुदाय के बड़े नेता कहे जाने वाले शेट्टार को उनके ही शिष्य के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। शेट्टार को हराने वाले बीजेपी के महेश टेंगीकनई चुनाव प्रचार के दौरान खुद को उनका चेला बताते रहे हैं। जगदीश को जहां 60775 मत प्राप्त हुए तो वहीं बीजेपी के उम्मीदवार महेश को 95064 वोट मिले।हुबली धारवाड़ सीट से इस चुनाव परिणाम के बाद बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा का एक बयान फिर से चर्चा में है। उन्होंने जगदीश शेट्टार के बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में जाने के बाद कहा था कि वह चुनाव हारेंगे। उन्होंने कहा था कि मैं जनता से अपील करता हूं कि शेट्टार को एक भी मतदाता वोट न दे।

सी.बी.आई. का नया चीफ चुनने की कवायद शुरु

सी.बी.आई. के नए चीफ के लिए दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा के नाम की भी खूब चर्चा हो रही है

- वर्तमान सी.बी.आई. चीफ सुबोध कुमार का निर्धारित दो साल का कार्यकाल 25 मई को समाप्त हो रहा है।
- इसके लिए गठित की गई उच्चस्तरीय समिति की बैठक शनिवार की शाम हो सकती है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत के मुख्य न्यायाधीश और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल होंगे।

नई दिल्ली, 13 मई। सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वैस्टिगेशन (सी.बी.आई.) के नए निदेशक के चयन के लिए गठित की गई उच्चस्तरीय समिति की बैठक शनिवार की शाम हो सकती है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत के मुख्य न्यायाधीश और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल होंगे। उच्चस्तरीय समिति अगले केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) प्रमुख का चयन कर सकती है।

वहीं, सी.बी.आई. के वर्तमान चीफ सुबोध कुमार जायसवाल का कार्यकाल भी दोबारा बढ़ाया जा सकता है। हालांकि सुबोध कुमार का निर्धारित दो साल का कार्यकाल 25 मई को समाप्त हो रहा है। जानकारी के मुताबिक सी.बी.आई. के नए चीफ के लिए दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के नाम की भी खूब चर्चा हो रही है। ऐसे में हो सकता है कि नए चीफ के पद पर इन्हें चुना जाएगा या फिर सुबोध का कार्यकाल बढ़ा दिया जाएगा। महाराष्ट्र कैडर के 1985 बैच के आई.पी.एस. अधिकारी और मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त जायसवाल ने 26 मई, 2021 को सी.बी.आई. के चीफ की बागडोर संभाली थी। सी.बी.आई. निदेशक का चयन एक उच्च स्तरीय समिति द्वारा किया जाता है जिसमें प्रधानमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश और लोकसभा के विपक्ष के नेता बैठक में शामिल होता हैं।

मैट्रो कार डिपो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

90बी की कार्रवाई लंबित रहने सहित करीब 16 आपत्तियां पेश की गई थीं, लेकिन उन्होंने 13 आपत्तियों पर विचार तक नहीं किया।

याचिका में कहा गया कि भूमि के संबंध में धारा 4 के तहत जारी अधिसूचना विधि विरुद्ध है। वहीं याचिकाकर्ता को व्यक्तिगत सुनवाई का मौका भी नहीं दिया गया। इसके अलावा धारा 5ए के तहत पेश आपत्तियों को भू-अवाप्ति अधिकारी ने तय नहीं किया। वहीं जमीन सतह से छह मीटर नीचे है और मैट्रो कार डिपो बनाने के लिए अव्यवहारिक है। वहीं राज्य सरकार और मैट्रो की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता को सुनवाई का पर्याप्त अवसर दिया गया था, लेकिन तय सुनवाई के समय वह स्वतः ही अनुपस्थित रहा। एलएओ ने आपत्तियों पर विचार करने के बाद ही राज्य सरकार को अपनी सिफारिश भेजी। इसलिए अवाप्ति की कार्रवाई उचित है। ऐसे में याचिका को खारिज किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने भूमि के संबंध में की गई अवाप्ति की सभी कार्रवाई को रद्द कर दिया।

कर्नाटक चुनाव परिणाम के बाद शरद पवार का बयान खूब चर्चा में है

- पवार ने कहा, जनता ने धन, जाति और धर्म की राजनीति को नकार दिया और इसी तरह के परिणाम 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिलेंगे।
- उन्होंने कहा, ''भाजपा के वहां सत्ता में होने के बावजूद सरकार से जुड़े सभी शीर्ष लोग और पार्टी के वरिष्ठ नेता वहां धुआंधार प्रचार करने गये थे ... हमें पहले ही लग रहा था कि, उनके द्वारा इस्तेमाल किया गया धनबल ही उनके खिलाफ जाएगा और ऐसा ही हुआ है।''
- एन.सी.पी. प्रमुख ने कांग्रेस की तारीफ करते हुए कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी भाजपा से दोगुनी सीटें हासिल करने की राह पर है।

मुंबई, 13 मई (वार्ता)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक की जनता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की धन, जाति और धर्म की राजनीति को नकार दिया और इसी तरह के परिणाम 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिलेंगे।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पवार ने कहा कि दक्षिण भारतीय राज्य के लोगों ने भाजपा को कड़ा सबक सिखाया है और सत्ता की बागडोर कांग्रेस को थमा दी है। उन्होंने कहा, ''भाजपा के वहां सत्ता में होने के बावजूद सरकार से जुड़े सभी शीर्ष लोग और पार्टी के वरिष्ठ नेता वहां प्रचार करने गये थे ... हमें लग रहा था उनके द्वारा इस्तेमाल किया गया पैसा उनके खिलाफ जाएगा और ऐसा ही हुआ है।''राकांपा प्रमुख ने कांग्रेस की तारीफ करते हुए कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी भाजपा से दोगुनी सीटें हासिल करने की राह पर है। उन्होंने कहा, ''यह एक संकेतक है कि कर्नाटक के लोगों ने भाजपा को पूरी तरह से हराने का मन बना लिया था ... सत्ता और आधिकारिक संसाधनों के घोर दुरुपयोग पर कड़ी प्रतिक्रिया हुई है।''

कर्नाटक ने राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्यों में बदलाव तथा फेरबदल करेगा तथा कांग्रेस वर्किंग कमेटी कांग्रेस पार्लियामैन्ट्री बोर्ड तथा ऐसी ही अन्य कमेटियों का गठन होगा।

कांग्रेस को भविष्य में भाजपा से लड़ने के लिए अपने संगठन तथा राज्य इकाइयों को लड़ने के लिये दुरूस्त रखना होगा क्योंकि अभी तो उसने एक छोटी लड़ाई, लेकिन बड़े राज्य में ही जीती है। कर्नाटक के जनादेश ने मल्लिकार्जुन खड़गे को पहले से अधिक मजबूत बनाने के साथ ही, राहुल गांधी में भी और अधिक आत्मविश्वास पैदा कर दिया है और ये दोनों ही नेता पार्टी हित में कठोर निर्णय लेने की स्थिति में आ गये हैं।

'घृणा व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की इच्छा जता चुके है, लम्बा खेल खेल सकते है और शायद समय का इंतज़ार करें। अधिकृत रूप से पार्टी ने कहा कि विधायक दल की बैठक में विधायक अपना नेता चुनेंगे।

कोच्चि में समुद्र तट पर 12 हजार करोड़ रु. की ड्रग्स पकड़ी गई

नारकोटिक्स विभाग ने सबसे नशीली ड्रग ''मैथामफैटामाइन'' की 2500 किलोग्राम खेप जब्त की

- यह अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशन्स में से है जिसे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एन.सी.बी.) ने भारतीय नौसेना के साथ अंजाम दिया।

कोच्चि, 13 मई। अरब सागर में कोच्चि की समुद्री सीमा में बहुत बड़ी मात्रा में ड्रग्स पकड़ी गयी है। ये अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशन में से है जिसे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एन.सी.बी.) ने भारतीय नौसेना के साथ अंजाम दिया। एन.सी.बी. और भारतीय नौसेना ने इस ऑपरेशन में लगभग 2500 किलोग्राम उच्च शुद्धता मेथामफेटामाइन को जब्त किया है, जिसकी कीमत लगभग 12000 करोड़ रुपये है। ये अब तक की सबसे बड़ी रिकवरी मानी जा रही है। इस ऑपरेशन में एक संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में लिया गया है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एन.सी.बी. के मुताबिक ये एन.सी.बी. द्वारा की गई तीसरी बड़ी जब्ती है। इसके बाद ये देश में मेथामफेटामाइन की सबसे बड़ी जब्ती है। ये ऑपरेशन एक भारतीय एजेंसी द्वारा ड्रग्स ले जाने वाली मदरशिप का पहला इंटरसेप्शन था। ऑपरेशन समुद्रगुप्त में जब्त किया गया ड्रग्स अफगानिस्तान में होने वाले ड्रग्स की समुद्री तस्करी को टारगेट करता है। कार्रवाई में जब्त किए पैकेट्स पर ''हाजी दाऊद एण्ड संस'' लिखा हुआ पाया गया है।

बता दें कि इससे पहले साल 2021 में जब्त की गई हेरोइन से जुड़े मुंद्रा बंदरगाह मादक पदार्थ बरामदगी मामले में एन.आई.ए. ने गत शुक्रवार को ही तीसरी चार्जशीट दाखिल की है। गौरतलब है कि साल 2021 में मुंद्रा बंदरगाह पर 2,988 किलोग्राम हेरोइन पकड़ी गई थी।

दक्षिण भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चेहरा बनाये जाने चाहिये।

राज्य विधानसभा चुनावों के परिणामों को लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी की कम होती संभावनाओं के निर्णायक संकेतक के रूप में नहीं देखा जा सकता। भाजपा 2018 में मध्य प्रदेश, राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में हार गई थी लेकिन अगले ही वर्ष हुये लोकसभा चुनावों में राजस्थान की 25 में से 25 सीटें जीत गई थी। इसी प्रकार उसने मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में काफी सीटें हथिया ली थी।

जैसा कि कर्नाटक के परिणाम दर्शा रहे हैं, भाजपा का असली संकट यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील एवं करिश्मा मंद पड़ रहा लगता है। कर्नाटक में, चुनाव प्रचार कर्नाटक के स्थानीय नेताओं जैसे-बी.एस. येद्दियुरप्पा, बासवराज बोम्मई एवं नलिन कुमार कतील से कहीं ज्यादा, करीब-करीब पूरी तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर केन्द्रित था, जिन्होंने अनेक रोड शो तथा जनसभाएं की तथा बजरंग दल के मुद्दे से उत्तेजना पैदा करने की पूरी-पूरी कोशिश की। इस पूरे परिदृश्य के लिहाज से कर्नाटक की पराजय के दोषारोपण के बहुत बड़े हिस्से के पात्र स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ही हैं। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने यह तर्क देना शुरू कर दिया है कि कर्नाटक के प्रचार में प्रधानमंत्री के सीधे जुड़ाव से ही यह संभव हो सका कि भाजपा अपने 36 प्रतिशत वोट शेयर को कायम रख सकी।

'कर्नाटक के परिणाम के बाद भाजपा की कश्मीर में चुनाव कराने की हिम्मत नहीं होगी'

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नैशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि, कश्मीर में चुनाव होने का आखिरी रास्ता था वह भी अब बंद हो गया है

- गौरतलब है कि, इस साल के अंत तक पांच और राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं अब तक यह संभावना जताई जा रही थी कि, इन राज्यों के साथ कश्मीर में भी चुनाव कराये जा सकते हैं।
- महबूबा मुफ्ती ने ट्वीट कर कहा, कर्नाटक में शानदार जीत के लिए कांग्रेस को बधाई। यह आसान नहीं था। भाजपा ने सबसे क्रूर सांप्रदायिक अभियान चलाया था।

श्रीनगर, 13 मई (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक चुनाव में हार के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने की हिम्मत नहीं रह गयी है।

गौरतलब है कि जून 2018 में भाजपा ने महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। तब से केंद्र शासित प्रदेश में निर्वाचित सरकार नहीं है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस की जीत के बाद उमर ने भाजपा पर निशाना साधते हुए ट्वीट कर कहा, ''अब ऐसा कोई रास्ता नहीं है कि भाजपा जम्मू-कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव कराने की हिम्मत जुटा सके...।'' वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि कांग्रेस का कर्नाटक चुनाव जीतना आसान नहीं था और उन्होंने उम्मीद जताई कि यह देश के लिए एक नई शुरुआत होगी।

उन्होंने ट्वीट कर कहा, कर्नाटक में शानदार जीत के लिए कांग्रेस को बधाई। यह आसान नहीं था। भाजपा ने सबसे क्रूर सांप्रदायिक अभियान चलाया था। कर्नाटक के लोगों ने विभाजन और कट्टरता को खारिज कर दिया है। मुझे उम्मीद है कि यह भारत के लिए एक नई शुरुआत होगी।

इस बीच श्रीनगर में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी मुख्यालय में कर्नाटक में जीत का जश्न मनाया।

कश्मीर में 8 किलो हेरोइन बरामद, 4 तस्कर गिरफ्तार

श्रीनगर, 13 मई (वार्ता)। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है और आठ किलो हेरोइन बरामद की है।पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से मॉड्यूल सिंडिकेट को चलाने में शामिल चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पंजाब का एक तस्कर नशीले पदार्थों की खेप लेने के लिए कुपवाड़ा जिले में पूर्व-निर्धारित स्थान पर आया है। इस सूचना के आधार पर कुपवाड़ा पुलिस द्वारा स्थानीय सैन्य इकाई के साथ ज़ुरहामा त्रेहगाम में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था।

अभियान के दौरान कुपवाड़ा निवासी यूसुफ बोकरा, शौकत अहमद खटाना, मारूफ अहमद मीर और पंजाब के अजनाला निवासी लाबा मसीह को गिरफ्तार किया गया। पकड़े जाने के समय ये लोग नशीले पदार्थों और नकदी का आदान-प्रदान कर रहे थे।

पुलिस ने कहा, प्रारंभिक जांच के दौरान यह पता चला है कि नशीले पदार्थों की खेप पी.ओ.के. में रहने वाले लश्कर के दो आतंकवादियों जुमागुंड कुपवाड़ा के निवासी दीया मीर के पुत्र असद मीर और मंजूर अहमद मीर द्वारा भेजी गई है। दोनों ने 90 के दशक की शुरुआत में पी.ओ.के. में घुसपैठ की थी और आतंकवादी संगठन में शामिल हो गए थे।उन्होंने कहा, ''मंजूर और असद दोनों बाद में लश्कर के आतंकवादी हैंडलर बन गए और ये दोनों मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों को बनाए रखने के लिए नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी के अलावा लॉन्चिंग कमांडर के रूप में काम कर रहे हैं।''

'राजस्थान पर आलाकमान लेगा फैसला या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जन संघर्षयात्रा में धीरे-धीरे अब भीड़ बढ़ रही है और इस यात्रा को लेकर राजस्थान की जनता में तरह- तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

इस बारे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को फीडबैक दे चुके हैं। अब, जब, कर्नाटक में विधायक दल की बैठक के बाद नेता का फैसला हो जाएगा और पार्टी अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे दिल्ली जाएंगे, तब राजस्थान मामले को लेकर रंधावा उन्हें रिपोर्ट सौंपेंगे। इसलिए माना जा रहा है कि, अगले तीन-चार दिन में कांग्रेस राजस्थान को लेकर कोई फैसला लेगी। अब सचिन पायलट समर्थकों के साथ-साथ पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं की नज़र भी आलाकमान के फैसले पर है।

इधर सचिन पायलट की जन संघर्ष यात्रा जयपुर जिले में प्रवेश कर चुकी है और तीसरे दिन नासनोदा पहुंचकर रात्रि विश्राम कर रही है। यात्रा के पहले 2 दिन जहां भीड़ असरकारक नहीं थी, वहीं, तीसरे दिन भीड़ काफी ज्यादा हुई और कार्यकर्ताओं में जोश भी नज़र आया। दूसरी ओर सचिन पायलट द्वारा विधायकों को मना किए जाने के बावजूद पिछले 2 दिन से विधायकों का आना जारी है।

तीसरे दिन अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष और विधायक खिलाड़ी बैरवा, अमर सिंह जाटव, रामनिवास गावड़िया, पी आर मीणा यात्रा में नजर आए। प्रदेश कांग्रेस के सचिव गजेंद्र सांखला,करौली धौलपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी लखीराम बैरवा, पूर्व विधायक भीमराज भाटी, बीकानेर की पूर्व जिला प्रमुख सुनीता सिंवर, फुलेरा विधानसभा से प्रत्याशी रहे विद्याधर चौधरी, अजमेर उत्तर से प्रत्याशी रहे महेंद्र सिंह रलावता, राजस्थान विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष निर्मल चौधरी, शाहपुरा से प्रत्याशी रहे मनीष यादव, खंडेला के सुभाष मील तीसरे दिन यात्रा में सचिन पायलट के साथ में नज़र आए। इनके अलावा वृद्धजन आयोग के अध्यक्ष, पूर्व सांसद गोपाल सिंह ईडवा, जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री के.सी. विश्नोई, पूर्व विधायक राम नारायण गुर्जर, महेंद्र गुर्जर, सुचित्रा आर्य, प्रदेश कांग्रेस सेवादल के पूर्व अध्यक्ष सलीम भाटी के साथ अन्य नेता भी पायलट के साथ चलते देखे गए।

यात्रा तीसरे दिन सुबह दूदू पुलिया से शुरू होकर अजमेर रोड होते हुए पालू पहुंची। जहां दोपहर विश्राम का कार्यक्रम रखा गया था। इस दौरान कर्नाटक चुनाव को लेकर पायलट समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया और कर्नाटक में कांग्रेस की जीत को लेकर चर्चाएं होती रहीं। कुछ समर्थकों का कहना था कि, कर्नाटक में कांग्रेस की जीत से पार्टी आलाकमान मजबूत हुआ है और अब वह अशोक गहलोत के खिलाफ सीधे कोई फैसला ले सकता है। 25 सितंबर को जो विधायक दल की बैठक नहीं होने दी गई थी, उस मामले में पार्टी आलाकमान कदम उठा सकता है। कुछ पायलट समर्थकों का कहना था कि, कर्नाटक में कांग्रेस की जीत से आलाकमान तो मजबूत हुआ है, लेकिन हो सकता है कि, जो परिस्थितियां चल रही हैं, उसे देखते हुए वह कोई और बड़ा फैसला भी ले सकता है। इस बीच अब सबकी नजरें इस बात पर भी हैं कि, जब सोमवार 15 मई को सचिन पायलट की यात्रा का जयपुर में समापन होगा, तो उसका स्वरूप क्या होने वाला है। तीसरे दिन तक, अभी तक यह तय नहीं है कि, जयपुर में किस स्थान पर यात्रा का समापन होगा और क्या वहां पर कोई सभा रखी जाएगी। इस बारे में कल तक फैसला होगा।

इस बीच अटकलें इस लिए भी लग रही हैं क्योंकि, सचिन पायलट की ओर से शुक्रवार को तीसरे दिन की यात्रा का जो कार्यक्रम पोस्ट किया गया था, उसमें पहले जो पोस्टर उन्होंने ट्वीट किया उसमें हाथ का निशान था, लेकिन कुछ देर बाद ही उन्होंने दूसरा पोस्टर ट्वीट किया, जिसमें हाथ का चिन्ह नहीं था। ऐसे में चर्चा जोरों पर हैं कि, सचिन पायलट भविष्य को लेकर क्या कोई फैसला ले चुके हैं, जो वे कभी भी सुना सकते हैं। इन्हीं अटकलों के कारण लोगों की नज़र सोमवार को सचिन पायलट की जनसंघर्ष यात्रा के समापन पर लगी हुई है। कहा जा रहा है कि, पहले 2 दिन जनसंघर्ष यात्रा में भीड़ कम होने के कारण सचिन पायलट समर्थक शुक्रवार रात को सक्रिय हुए और आसपास के क्षेत्रों में फोन करके सभी को यात्रा में आने को कहा गया। यही कारण रहा कि, तीसरे दिन दूदू से शुरू हुई यात्रा में पहले 2 दिन के मुकाबले भीड़ बढ़ी, जो शाम तक और बढ़ती गई।

नाबालिग से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी दी। शनिवार को पीड़िता के पिता ने युवकों के खिलाफ पोक्सो सहित अन्य धाराओं में नामजद मुक़दमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरु कर दी। जांच कर रहे थानागाजी डीएसपी मनराज मीणा ने टीम गठित कर दुष्कर्म के आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। वहीं, देर शाम पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल भी करा लिया है।

भाजपा का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं सकते हैं। राजस्थान की जनता तहे दिल से धन्यवाद भी देगी और आने वाले चुनावों के अंदर आपका हिसाब भी करेगी।

सिद्धारमैया सबसे आगे हैं,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे सरकार के निर्माण, मंत्रियों के चयन तथा मंत्रालयों के आवंटन में एक बड़ी भूमिका निभायेंगे।

खड़गे कर्नाटक के एक महत्वपूर्ण दलित नेता हैं।

कांग्रेस का यह निर्णय लेना है कि डी.के. शिवकुमार की भूमिका क्या होगी तथा यह किस प्रकार सुनिश्चित किया जाये कि सरकार में वे निर्णायक रूप से मुख्यमंत्री के बाद दूसरे सबसे बड़े नेता दिखाई दें।

ऐसी उपेक्षा स्वाभाविक ही है कि वे अपना पसंदीदा तथा भारी भरकम एवं बहुत महत्वपूर्ण मंत्रालय लेना चाहेंगे।

लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे उपमुख्यमंत्री बनाये जायेंगे या फिर से एक मंत्री बनने के साथ, इस समय की तरह, पी.सी.सी. अध्यक्ष बने रहेंगे। ऐसी भी अटकलें हैं कि वहाँ एक से अधिक उपमुख्यमंत्री बनाये जायें जिससे विभिन्न जातियों को संतुष्ट किया जा सके। इस संदर्भ में, खड़गे के पुत्र प्रियांक का नाम भी चर्चा में है।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि खड़गे बहुत सावधानी से काम लेना चाहेंगे तथा परिवारवाद के आरोप से बचना चाहेंगे क्योंकि खड़गे लोकसभा चुनावों से पूर्व एक मँजे हुये तथा कुशल नेता के रूप में उभर कर आ सकते हैं।

कांग्रेस विधायक-संख्या 137 तक पहुँच जाने के कारण, नेतृत्स का काम बड़ा जटिल हो गया है क्योंकि नेतृत्व को विभिन्न जातियों, गुटों और क्षेत्रों को समायोजित करना होगा।

कांग्रेस को राज्य के युद्ध स्थल को आगामी लोकसभा चुनावों, जो मात्र एक साल दूर हैं, के लिये भी तैयार रखना होगा।

अगर विधानसभा चुनावों में भाजपा की हारी हुई सीटों को लोकसभा सीटों के लिहाज से देखा जाये, तो भाजपा 18 लोकसभा सीटें हारी है। 2019 में हुये पिछले लोकसभा चुनावों में, भाजपा ने 28 में से 25 सीटें जीती थीं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908